647510 **0701259F2022** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 2 (*CBCS*) Examination

March/April - 2023 (OLD COURSE)

HINDI (FOUNDATION - 4)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न. १ पंचवटी काव्यमें निरुपित विशेषताएं लिखे । (१५)

अथवा

प्रश्न. १ पंचवटी काव्यमें गुप्तजी की नारी भावना स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न. २ निम्नांकित प्रश्नों के सुचनानुसार उत्तर दीजिए । (०७)

(अ) किन्हीं सात मुहवरों के अर्थ दीजिए ।

१) गम गलत करना ।
२) आटे दाल का भाव मालुम होना ।
३) रंग उड जाना ।
४) गांठ में-बांध लेना ।
५) मुह लटकाना ।
६) आंखे फटी रह जाना ।
७) घाट-घाट का पानी पीना ।
८) हवा में उडना ।
९) खीचडी पकाना ।
१०) मैदान छोडकर भागना ।

प्रश्न. २ (ब) निम्नांकित परिच्छेद का गुज्राती भाषा में अनुवाद करें । (०८)

गहनों का मरज न जाने इस द्रूष्टि देशमें कैशे फैल गया । जिन लोगो को भोजन का ठिकाना नहिं, वे भी गहनों के पीछे प्राण देते है । हर साल अरबो रुपयें केवल सोना-चंदी खरिदने में व्यय हो जाते है । संसार के कीसी भी देशमें इन धातुओं की इतनी खपत नहिं । तो बात क्या है ? उन्नत देशोंमें धन व्यापार में लगता है, जिससे लोगों की परवरिश होती है । और धन बढता है । यहां धन श्रुंगार में खर्च होता है उससे उन्नति और उपचार कीं जो शक्तियाँ है । उन दोनो का हि अंत जाता है । बस यहि समज लो की जिस देश में लोग जितने मुर्ख होंगे, जवेरों का प्रचार भी उतना ही अधिक होगा ।

प्रश्न. ३ नीम्नांकित सदर्भो में से किन्ही तीन की ससंदर्भ व्यारव्या कीजिए । (१५)

१) में अपने उपर अपना ही रखती हुं अधिकार सदा,
जहाँ चाहती हुं मैं स्वच्छंद विहार सदा,
कोई भय में नहिं मानती समय विचार करुंगी क्या ?
डरती है बाधाएं मुझसे उनसे आप डरुंगी क्या ?

२) मूनियो का सत्संग यहां, जिन्हे हुआ है तत्वज्ञान ?
सुनने को मिलते है उससे नित्य नये अनुपम व्याख्यान
जितने कपट – कंटको में है जिनका जीवन सुमन खिला ।
गौरव गंध उन्हें उतना ही यत्र-तत्र सर्वत्र मिला ॥

३) हा नारि-किस भ्राम में है तु, प्रेम नहीं यह तो है मोह,
अत्मा का विश्वास नहिं,
यह है तेरे मन का विद्रोह

४) मन: प्रासाद चाहिये केवल,
फिर क्या कुटिर और क्या प्रासाद

५) पंचायत करने आयि थी, अब प्रपंच में क्यों न पडो,
वंचित हि होना पडता है, यदि औरों के लिए लडो

प्रश्न. ४ पांचवटी काव्य में राम का चरित्र चित्रण करे. (१५)

अथवा

प्रश्न. ४ पंचवटी काव्य का मुल्यांकन खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर करें ।

प्रश्न. ५ पंचवटी काव्य में वर्णित प्रकृति चित्रण (१०)

अथवा

प्रश्न. ५ शूर्पणखा का चरित्र चित्रण करें ।

****